सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

समृद्ध भारत
के लिए
पंच प्राण

अगले 25 वर्षों की अमृतकाल की यात्रा के साथ हम अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करेंगे। आइए, हम सब मिलकर इस पूरे कालखंड को देश के लिए निर्णायक और अविस्मरणीय बनाएं। इस संकल्प की सिद्धि के लिए 'पंच प्राण' को अपनाते हुए हमें आगे बढ़ना है। ये पांच सिद्धांत हमारे भारतवर्ष को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

विकसित भारत का विराट संकल्प

गुलामी की मानसिकता से मुक्ति

अपनी विरासत पर गर्व

एकजुटता को सुदृढ़ रखना

कर्तव्य निर्वहन को प्राथमिकता

प्रधान मंत्री
Prime Minister

नई दिल्ली
चैत्र 30, शक संवत् 1945
20 अप्रैल, 2023

श्रीमती पारुल सूद जी,

'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में अभिभावक के रूप में आपकी उत्साहजनक भागीदारी के बारे में जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई।

आपकी भागीदारी न केवल अपने बच्चे के भविष्य के प्रति, बल्कि हमारी युवा पीढ़ी के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजने की दिशा में आपकी गंभीरता को दर्शाती है।

मुझे विश्वास है कि एक मार्गदर्शक और अभिभावक के रूप में बच्चों को आपसे हर अवसर का अधिकतम लाभ उठाने की प्रेरणा और आत्मविश्वास मिलेगा।

21वीं सदी अवसरों की सदी है। कला से लेकर खेल तक, स्टार्टअप से लेकर तकनीक तक, इंजीनियरिंग से लेकर अंतरिक्ष तक, हमारे युवाओं के पास आज आगे बढ़ने के अनेक विकल्प हैं। असाधारण कौशल और असीमित ऊर्जा से भरी हमारी युवाशक्ति के लिए अब किसी भी संकल्प की सिद्धि संभव है।

अगले 25 वर्षों का अमृत काल एक भव्य व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में जी-जान से कार्य करने का कर्तव्य काल है। यह स्वर्णिम काल न केवल हमारे युवाओं के जीवन, बल्कि देश के भविष्य को भी आकार देगा।

मुझे विश्वास है कि हमारे सामूहिक संकल्प और एकजुट प्रयास देश की विकास गाथा को नई ऊंचाई प्रदान करेंगे।

बधाई और शुभकामनाओं के साथ।

आपका,

(नरेन्द्र मोदी)

Pariksha Pe Charcha 2023